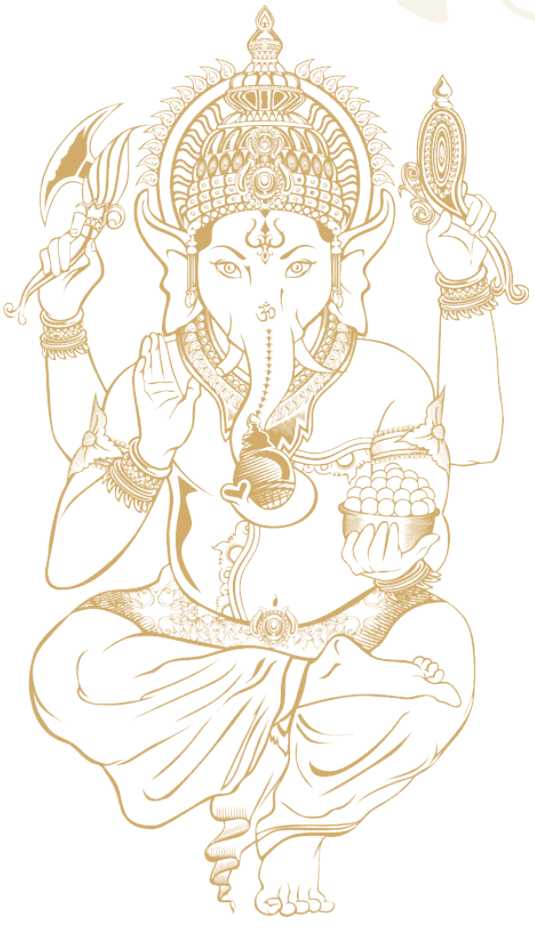

Rajat Shivani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120433109

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/06/1992	जन्म तिथि	5-06/01/1996
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 02:12:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 52:04:10	जन्म समय(घटी)	48:36:03 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Jammu
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:19	सूर्योदय	07:33:34
19:37:48	सूर्यास्त	17:37:53
23:45:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 0मा 8दि	28:17:11	मीन	लग्न	तुला	20:09:30	गुरु 14वर्ष 4मा 29दि
गुरु	26:26:15	वृष	सूर्य	धनु	21:01:33	शनि
20/06/2011	04:42:58	तुला	चंद्र	मिथु	21:19:14	06/06/2010
20/06/2027	03:25:56	मेष	मंगल	मक	04:11:24	06/06/2029
गुरु 07/08/2013	08:27:57	मिथु	बुध	मक	09:57:23	शनि 09/06/2013
शनि 19/02/2016	13:18:03	सिंह	गुरु	धनु	06:46:49	बुध 17/02/2016
बुध 27/05/2018	25:39:58	वृष	शुक्र	मक	24:49:56	केतु 28/03/2017
केतु 02/05/2019	24:35:21	मक व	शनि	कुंभ	25:56:20	शुक्र 27/05/2020
शुक्र 31/12/2021	06:57:39	धनु व	राहु व	कन्या	28:49:44	सूर्य 09/05/2021
सूर्य 20/10/2022	06:57:39	मिथु व	केतु व	मीन	28:49:44	चन्द्र 09/12/2022
चन्द्र 19/02/2024	23:18:49	धनु व	हर्ष	मक	05:49:32	मंगल 17/01/2024
मंगल 25/01/2025	24:33:08	धनु व	नेप	मक	01:03:27	राहु 23/11/2026
राहु 20/06/2027	27:01:46	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	08:18:16	गुरु 06/06/2029

लग्न-चलित

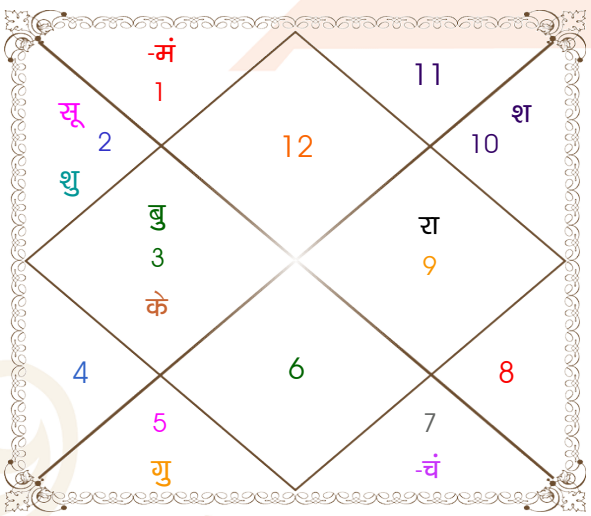

लग्न-चलित

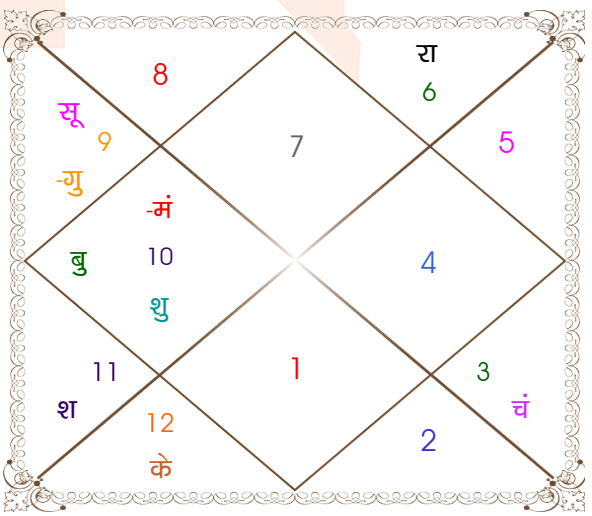

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Rajat का वर्ग मृग है तथा Shivani का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rajat और Shivani का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Rajat मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Shivani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shivani कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Rajat कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rajat तथा Shivani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।